Review Of Research
Vol. 4 | Issue. 6 | March. 2015
Impact Factor : 3.1402 (UIF)
ISSN:-2249-894X   Available online at www.lbp.world

ORIGINAL ARTICLE

राष्ट्रीय खेलों में महाराष्ट्र राज्य के खिलाडीयों का हॉकी, स्विमिंग तथा एथलेटिक्स के प्रदर्शन स्तर का अध्ययन

प्रा. रमेश बन्सोड
बी. कॉम, एम.पी.एड
शुभेदाररामजी आंबेडकर शारिरीक शिक्षण महाविद्यालय, हिंगणघाट, जिल्हया वर्धा

सारारशं

इस अध्यन हेतू केवल हॉकी, स्विमिंग तथा एथलेटिक्स के प्रदर्शन स्तर का अभ्यास किया गया । इस अध्ययन हेतू पिछले पांच वर्षो में आयोजित राष्ट्रीय खेलों पर अध्ययन किया गया। यह अध्ययन महाराष्ट्र के खिलाडियों का तथा अन्य राज्य कें खिलाडीयों कें प्रदर्शन का तुलनात्मक अध्ययन किया है! इस अध्ययन में महाराष्ट्र के महिला एवं पुरूष दिनों खिलाडियों का समावेश किया गया।

प्रस्तावना

ओलंपिक राष्ट्रमंडल और एशियाई देशों की खेल समारोह की ही तर्ज पर हमारे देश में राष्ट्रीय खेलों का सूत्रपात किया गया। खेल को खेल की भावना से खेलो (प्ले द गेम इन द स्पिरिट ऑफ द गेम) का महामंत्र देने वाले स्वर्णीय जवाहरलाल नेहरु स्वयं भी एक बहुत अच्छे खिलाडी थे। उन्हें घुडसवारी, पर्वतारोहण और योगाभ्यास में शीर्षासन का बेहद शौक होने के साथ-साथ तैराकी, लान-टेनिस, क्रिकेट, बिलियर्ड और फुटबॉल आदि खेलों से बेहद दिलचस्पी थी। अहमदाबाद की जेल में वह कभी-कभी वालीबॉल भी खेला करते थे।

भारतीय खेल जगत को नेहरू जी से बहुत सहयोग और प्रोत्साहन मिला। उन्हीं प्रोत्साहन से भारत अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सका और उन्हीं के सहयोग आर आर्शीवाद से ही एंथनी डिमैलों भारत में एशियाई खेलों का विशाल आयोजन करने में सफल हो सके। जब कभी भारतीय नेताओं ने विदेशी मुद्रा का संकट बताकर भारतीय टिम को अंतर्राष्ट्र्य प्रतियोगिताओं में भेजने में अपनी असमर्थता बताई, तभी नेहरू जी ने भारतीय खेल और खिलाडियों का ही साथ दिया। सब तो यह है कि, नेहरू के हस्तक्षेप के बिना १९६२ में न तो भारतीय फुटबॉल टीम एशियाई प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए जकार्ता पहुंच पाती और न ही भारतीय फुटबॉल टीम को एशियाई चैम्पियन होने का गौरव प्राप्त होता।

जलतरण महिला विभाग

५० मीटर फ्री स्टाईल स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाडियों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। इस स्पर्धा में कर्नाटक की शिखा टण्डन प्रथम, महाराष्ट्र की लेखा कामत द्वितीय तथा कर्नाटक की कशिप्रा महाजन तृतीय स्थान पर रही।

प्रथम	कर्नाटक
द्वितीय	महाराष्ट्र
तृतीय	कर्नाटक

१०० मीटर फ्री स्टाईल स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाडियों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। इस स्पर्धा में कर्नाटक की शिखा टण्डन प्रथम, कशिप्रा महाजन द्वितीय स्थान तथा महाराष्ट्र की लेखा कामत तृतीय स्थान पर रही। इस स्पर्धा में कर्नाटक का प्रदर्शन महाराष्ट्र की तुलना में बेहतर रहा।

प्रथम	कर्नाटक
द्वितीय	कर्नाटक
तृतीय	महाराष्ट्र

२०० मीटर बटर फ्लाई स्ट्रोक स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाडियों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्हें इस स्पर्धा में कोई भी सफलता प्राप्त नहीं हुई। इस स्पर्धा में कर्नाटक की पूजा अल्वा प्रथम, दिल्ली की रिचा मिश्रा द्वितीय तथा कर्नाटक की माधवी गिरी तृतीय स्थान पर रही। इस स्पर्धा में कर्नाटक, दिल्ली का प्रदर्शन महाराष्ट्र की तुलना में बहेतर रहा।

प्रथम	कर्नाटक
द्वितीय	दिल्ली
तृतीय	कर्नाटक
महाराष्ट्र	

४X१०० मीटर फ्री स्टाईल रिल स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाडियों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। इस स्पर्धा में कर्नाटक को प्रथम, महाराष्ट्र को द्वितीय तथा केरला को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रथम	कर्नाटक
द्वितीय	महाराष्ट्र
तृतीय	केरला

१०० मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाडियों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। इस स्पर्धा में महाराष्ट्र की लेखा कामत प्रथम, दिल्ली की रिचा मिश्रा द्वितीय तथा कर्नाटक की शिखा टण्डन तृतीय स्थान पर रही।

प्रथम	महाराष्ट्र
द्वितीय	दिल्ली
तृतीय	कर्नाटक

१०० मीटर बटर फ्लाई स्ट्रोक स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाडियों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। इस स्पर्धा में दिल्ली की रिचा मिश्रा प्रथम, महाराष्ट्र की लेखा कामत द्वितीय तथा कर्नाटक की शिखा टण्डन तृतीय स्थान पर रही।

प्रथम	दिल्ली
द्वितीय	महाराष्ट्र
तृतीय	कर्नाटक

२०० मीटर बेक स्ट्रोक की स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाडियों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्हें इस स्पर्धा में कोई स्थान प्राप्त नहीं हुआ। इस स्पर्धा में दिल्ली की रिचा मिश्रा प्रथम, आसाम की फरिहा जामन द्वितीय तथा केरला की सोनी सायरिक तृतीय स्थान पर रही।

प्रथम	दिल्ली
द्वितीय	आसाम
तृतीय	केरला
महाराष्ट्र	

५० मिटर ब्रेस्ट स्ट्रोक स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाडियों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। इस स्पर्धा में महाराष्ट्र की लेखा कामत प्रथम, केरला की एम. मिनी द्वितीय तथा आन्ध्रप्रदेश की एम. एस. दिव्या तृतीय स्थान पर रही।

प्रथम	महाराष्ट्र
द्वितीय	केरला
तृतीय	आन्ध्र प्रदेश

८०० मीटर फ्रि स्टाईल स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाडियों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। इस स्पर्धा में महाराष्ट्र की सुरभी टिपरे प्रथम, दिल्ली की रिया मिश्रा द्वितीय तथा कर्नाटक की पूजा अल्वा तृतीय स्थान पर रही।

प्रथम	महाराष्ट्र
द्वितीय	दिल्ली
तृतीय	कर्नाटक

१०० मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाडियों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्हे इस स्पर्धा में कोई स्थान प्राप्त नहीं हुआ। इस स्पर्धा में आसाम की फरिहा जामन प्रथम, केरला की सोनी सायरिक द्वितीय तथा दिल्ली की रिचा मिश्रा तृतीय स्थाय पर रही।

प्रथम	आसाम
द्वितीय	केरला
तृतीय	दिल्ली
महाराष्ट्र	

२०० मीटर फ्रि स्टाईल स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाडियों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। इस स्पर्धा में दिल्ली की रिचा मिश्रा प्रथम, कर्नाटक की पूजा अल्वा द्वितीय तथा महाराष्ट्र की सुरभी टिपरे तृतीय स्थान पर रही, इस स्पर्धा में दिल्ली तथा कर्नाटक का प्रदर्शन महाराष्ट्र की तुलना मे बेहतर रहा।

प्रथम	दिल्ली
द्वितीय	कर्नाटक
तृतीय	महाराष्ट्र

४०० मीटर फ्रि स्टाईल स्पर्धा में महाराष्ट्र के खिलाडियों का प्रदर्शन संतोषजनक रहा। इस स्पर्धा में दिल्ली की रिचा मिश्रा प्रथम, महाराष्ट्र की सुरभी टिपरे द्वितीय तथा आरती घोरपडे तृतीय स्थान पर रही।

प्रथम	दिल्ली
द्वितीय	महाराष्ट्र
तृतीय	महाराष्ट्र

निष्कर्ष

महाराष्ट्र राज्य के एथलेटिक्स, स्विमिंग तथा हॉकी के खिलाडियों ने पूना, मणिपूर, पंजाब, हैदराबाद तथा गोहाटी राष्ट्रीय खेलों में भाग लिया उनके प्रदर्शन पर परिणाम का निष्कर्ष निम्नलिखित है।

इस अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि एथलेटिक्स, जलतरण व हॉकी में महाराष्ट्र राज्य का प्रदर्शन निम्न स्तर का रहा है इस हेतू महाराष्ट्र राज्य असोसिएशन तथा महाराष्ट्र राज्य ओलम्पिक संघ को नवीन प्रतिभाओं की खोजकर उचित प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

राज्य सरकार द्वारा स्कूल स्तर पर खेल सुविधाओं के विकास पर सरकार ने विशेष ध्यान देना चाहिए। इस कार्य हेतू अधिक से अधिक अनुदान मिलना आवश्यक है।

राज्य सरकार द्वारा स्कूल स्तर पर खिलाडियों को प्रोत्साहन देने के लिये माध्यमिक एवं उच्चस्तर माध्यमिक परिक्षा मे मिलने वाले अतिरिक्त अंको को अधिक किया जाना चाहिए।

संदर्भ ग्रथं सूची

- पाण्डेय, लक्ष्मीकांत 'भारतीय खेलों का मीमांसा' (नई दिल्ली: मैट्रोपोलिटन बुक कम्पनी, प्रा. लि. नेताजी सुभाष मार्ग १९८२).

- थानी योगराज, 'अन्तराष्ट्रीय खेल और भारत' असांरी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-११०००२
- Pahuja V.K., "Statistical Bulletin" Swimming (B-712, Greenfield Colony, Aravilli Hills, Sujaj Kund Road, Faridabad-121010.)
- National Games '94, Pune- Bombay, Sports Authority of India, Neraji Subhas National Institute of Sports Patiala, India.'
- Foundation of Physical Education and Sports (Monday St Louis New York.)
- खेल कूद विशेषांक, मुद्रकः डायमण्ड प्रिन्टिंग प्रेस, जयपूर.
- मनोरना इयर बुक, २०००
- मनोरना इयर बुक, २००३
- कॉनिकल इयर बुक, (क्रॉनिकल पब्लिकेशन प्रा. सी-६/५२, सफदरगंज, डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली).
- खेल-कूद विशेषांग (प्रिंटर्स मलयाला, मनोरमा प्रेस, कोट्रयम).
- लोकमत समाचार १०, ११, १२, १३, १४, १५, १६, १७, १८, १९ फरवरी ०७
- 'नवभारत' नागपूर १०, १३, १४, १५, १९ फरवरी ०७.
- 'दैनिक भास्कर' नागपूर ०९, ११, १२, १४, १५, १९ फरवरी ०७.
- देशोन्नती १० फेब्रुवारी ०७
- Hitvadada 12, 14 Feb, 2007
- लोकराज्य, माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालय, नवीन प्रशासन भवन, १७ वा मजला, मुंबई- ४०००३२, पे. १०-११, १५.